Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding misbehaviour by MLA(s) with the Speaker of Bihar Legislative Assembly.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलिपुत्र): महोदय, अगर आपकी इजाजत हो जाए, तो जिस तरह से माननीय सदस्या ने अपनी बात उठायी है, बिहार विधान सभा में जो लोकतंत्र की हत्या की गई है, उसके संदर्भ में मैं अपनी पीड़ा जाहिर करना चाहता हूँ ।

महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि 44-45 साल का मेरा लंबा सार्वजनिक जीवन हो गया है और इतने लंबे काल से मैं संसदीय जीवन में हूँ । मैंने आज तक इस तरह की हरकत नहीं देखी, जिस तरह से बिहार विधान सभा में कल विपक्ष के माध्यम से हुई । मैं बहुत दर्द के साथ कह रहा हूँ और बहुत पीड़ा के साथ कह रहा हूँ ।...(व्यवधान) मैंने ऐसा नहीं देखा है । डिफरेंट पॉलिटिकल पार्टीज के लोग होते हैं, वे अपनी बात रखते हैं । लोकतंत्र में सब लोगों को इसका अधिकार है । किसी बिल का विरोध करिए और बिल में कुछ है भी नहीं, केवल नाम का परिवर्तन किया जा रहा है । वहाँ जिस तरह से हंगामा खड़ा करने का काम किया गया, स्पीकर साहब को तो तीन घंटे तक बंद ही रखा, जो चेयरपर्सन थे, उन पर हमला किया गया । उपमुख्यमंत्री पर हमला किया गया । मंत्रियों पर हमला किया गया । क्या लोकतंत्र में इसकी कोई इजाजत देता है? आप बहस के साथ विरोध करो, लेकिन इस तरह की हरकत ठीक नहीं है ।

महोदय, कल तो अनहोनी हो जाती, अगर मार्शल वहाँ नहीं रहता, तो सत्ता पक्ष के लोगों की ...* की जा सकती थी ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : विधान सभा के अंदर हुई किसी भी घटना का जिक्र यहाँ पर किया जाना उचित नहीं है ।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, आपने इजाजत दी है ।...(व्यवधान)

कुंवर दानिश अली (अमरोहा): सर, कर्नाटक में भी ऐसा हुआ था ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : दानिश अली जी, आप बैठिए ।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव: मैं निवेदन करना चाहता हूँ ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप बैठ जाइए ।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : मैं हाथ जोड़कर प्रार्थना करना चाहता हूँ ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : किसी भी सदन के अंदर की घटना का जिक्र न करें ।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, मैं अपनी पीड़ा कहाँ रखूँ?...(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप केवल बाहर का जिक्र करें ।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप अंदर की घटना का जिक्र न करें ।

...(व्यवधान)

माननीय सभापति : यह देख लेंगे कि इसमें क्या अनुमन्य है, क्या अनुमन्य नहीं है?

…(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव: मैं आग्रह कर रहा हूँ।…(व्यवधान) मैं उस घटना को कंडेम करता हूँ।…(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : मैं बिहार विधान सभा के स्पीकर से आग्रह करना चाहता हूं कि आप ऐसे सदस्यों पर कार्रवाई कीजिए, बर्खास्त कीजिए और सस्पेंड कीजिए। भविष्य में इस तरह की घटना न हो, इसको सुनिश्चित करने का काम कीजिए। अगर ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं होगी तो उनका मनोबल बढ़ेगा। …(व्यवधान)

श्री तापिर गाव (अरुणाचल पूर्व): आदरणीय सभापति महोदय, मैं…(व्यवधान)

माननीय सभापति : तापिर जी, आप शुरू कीजिए। राम कृपाल जी, आप बहुत सीनियर व्यक्ति हैं। आपका भाषण हो गया।

…(व्यवधान)